दिल्ली स्थित महाविद्यालयों में प्रवेश

156. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अनुसार दिल्ली में इस वर्ष लगभग 48,000 विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की है और लगभग, 15,000 विद्यार्थियों को पूरक परीक्षा में बैठना है;

(ख) क्या यह भी सच है कि अन्य राज्यों से प्रत्येक वर्ष 15 से 20 हजार विद्यार्थी उच्च-शिक्षा प्राप्त करने के लिए दिल्ली आते हैं;

(ग) क्या इन सभी विद्यार्थियों को प्रवेश देने के लिए दिल्ली के महाविद्यालयों में पर्याप्त व्यवस्था है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने महाविद्यालयों के नियमित पाठ्यक्रमों में गत वर्ष की तुलना में अधिक संख्या में विद्यार्थियों को प्रवेश देने के लिए कोई व्यवस्था की है, यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ बढ़ाये गये स्थानों की कुल संख्या कितनी है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) दिल्ली विश्वविद्यालय ने सूचित किया है कि उसके पास उन छात्रों के सम्बन्ध में सूचना नहीं है जो उच्च शिक्षा के लिए अन्य राज्यों से दिल्ली में आते हैं। तथापि, उन्होंने बताया है कि कई दिल्ली के छात्र भी दिल्ली से बाहर स्थित विश्वविद्यालयों में दाखिला लेते हैं।

(ग) और (घ) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार, इस वर्ष दिल्ली के स्कूलों की कक्षा XII के परिणामों के आधार पर कालेजों, गैर कालेजीय महिला शिक्षा बोर्ड और पत्राचार पाठ्यक्रम स्कूल, और सतत शिक्षा में दाखिले के लिए पात्र छात्रों की संख्या निम्नलिखित है:

40% और उससे ऊपर के अंक वाले छात्र	46,785
कम्पार्टमेंट वाले छात्र जो अस्थायी दाखिले के लिए पात्र हैं	15621
	62406

विश्वविद्यालय के पास अवर स्नातक स्तर पर निम्नलिखित दाखिला क्षमता है:-

- नियमित कालेजों में 30366
- गैर कालेजीय महिला शिक्षा बोर्ड में 3700 और
- पत्राचार पाठ्यक्रम और सतत शिक्षा स्कूल में 29600
- उपर्युक्त दाखिला क्षमता निम्नलिखित उपाय करके चालू शैक्षिक सत्र के दौरान बढ़ा दी गई है:

(i) विश्वविद्यालय ने कालेजों को अनुमति प्रदान की है कि पिछले वर्ष दाखिल किये गये छात्रों से 10% अधिक छात्र दाखिल करें जिसके परिणामस्वरूप लगभग 3407 अतिरिक्त स्थान होंगे;

(ii) विश्वविद्यालय ने अनेक नए पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है जिसमें 750 अतिरिक्त स्थानों की क्षमता होगी; और

(iii) एक नया कालेज अर्थात भीमराव अम्बेडकर कालेज, जिसमें 180 स्थानों की क्षमता है, ने जमुना पार क्षेत्र में इस वर्ष कार्य करना शुरू कर दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय के पास पिछले वर्ष दाखिल किये गये 66,609 छात्रों के मुकाबले लगभग 67,823 छात्रों को दाखिल करने की क्षमता होगी।